



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

28 श्रावण, 1941 (श०)

संख्या- 667 राँची, सोमवार,

19 अगस्त, 2019 (ई०)

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ।

अधिसूचना

30 जुलाई, 2019 ई०।

संख्या- 08/विविध (01)-25/2013- 4182-- विष अधिनियम, 1919 (अधिनियम 1919 का 12) की धारा 2 एवं 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड राज्यपाल एतद् द्वारा विनिर्दिष्ट विषों के विक्रय हेतु निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ**

- (i) यह नियमावली “झारखण्ड विष भंडारण एवं विक्रय नियमावली, 2019” (JHARKHAND POISONS POSSESSION AND SALE RULES, 2019) कही जा सकेगी।
- (ii) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा।
- (iii) यह राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

2. **परिभाषाएँ**

इस नियमावली में, जबतक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो:-

- (क) ‘अधिनियम से अभिप्रेत है विष अधिनियम, 1919;
- (ख) ‘डीलर से अभिप्रेत है इस नियमावली के अधीन अनुज्ञप्तिधारी कोई व्यक्ति;
- (ग) ‘अनुज्ञापन प्राधिकार से अभिप्रेत है जिला दंडाधिकारी या अधिनियम की धारा-7 की उपधारा (1) के अधीन, अनुज्ञप्ति मंजूर करने हेतु राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत, कोई अन्य पदाधिकारी;
- (घ) ‘अनुज्ञप्तिधारी’ से अभिप्रेत है कोई अनुज्ञप्तिधारक;

- (ड.) 'अधिसूचना' से अभिप्रेत है राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना;
- (च) 'फारम' से अभिप्रेत है इस नियमावली से अनुलग्न फारम;
- (छ) 'अनुसूची' से अभिप्रेत है इस नियमावली से अनुलग्न अनुसूची;
- (ज) 'विक्रय' से अभिप्रेत है किसी अनुज्ञप्तिधारी डीलर से अन्य को, अथवा किसी अनुज्ञप्तिधारी डीलर से किसी शिक्षण संस्थान या किसी शोध या चिकित्सीय संस्थान या अस्पताल या किसी अर्हित चिकित्सा व्यवसायी (निबंधित चिकित्सा व्यवसायी) के अधीन औषधालय को या किसी मान्यता प्राप्त लोक संस्थान या औद्योगिक फर्म (जिसे अपने उपभोग हेतु विषों की आवश्यकता हो) को या सरकारी विभागों या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों को या व्यक्तिगत उपयोग के लिए किसी व्यक्ति को विक्रय;
3. अनुसूची में विनिर्दिष्ट विष इस नियमावली के प्रयोजनार्थ विष समझे जायेंगे।
4. **भंडारण या विक्रय के लिए अनुज्ञप्ति-** कोई भी व्यक्ति, जिसे अधिनियम के प्रावधानों के अधीन छूट प्राप्त नहीं है, अनुज्ञापन प्राधिकार द्वारा उस निमित्त फारम 'क' में मंजूर या नवीकृत अनुज्ञप्ति के सिवाय अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी विष का विक्रय नहीं करेगा या विक्रय हेतु भंडारण नहीं करेगा।
5. **नियमावली का परिसर पर प्रदर्शन-** इस नियमावली की एक प्रति, नियम-4 के अधीन मंजूर अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट कारोबार स्थल के प्रमुख स्थान में, हमेशा प्रदर्शित की जायेगी।
6. **अनुज्ञप्ति की मंजूरी या नवीकरण हेतु आवेदन-** (1) अनुज्ञप्ति की मंजूरी या नवीकरण का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति अनुज्ञापन प्राधिकार को फारम 'ख' में लिखित आवेदन करेगा और ऐसे आवेदन पर दस रुपये मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगेगा,
- परन्तु अनुज्ञप्ति के नवीकरण हेतु कोई आवेदन अनुज्ञप्ति के अवसान की तिथि के तीन माह से कम पूर्व दिया जाता है तो उस पर पाँच सौ रुपये मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगेगा।
- (2) मूल अनुज्ञप्ति के खो जाने या नष्ट हो जाने पर अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति के लिए लिखित आवेदन किया जायेगा और इस पर पाँच सौ रुपये मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगेगा।
- (3) अनुज्ञप्तिधारी के कारोबार स्थल में किसी प्रकार के परिवर्तन के मामले में, अनुज्ञप्ति के लिए अनुज्ञापन प्राधिकार को एक नया आवेदन किया जायेगा और ऐसे आवेदन पर पाँच सौ रुपये मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगेगा।
- (4) अनुज्ञप्तिधारी कारोबार स्थल में अनुज्ञप्ति को प्रमुख रूप से प्रदर्शित करेगा।
7. **अनुज्ञप्ति की कालावधि-** नियम-8 एवं 9 के उपबंधों के अधीन, इस नियमावली के अधीन मंजूर या नवीकृत कोई अनुज्ञप्ति निर्गत होने की तारीख से पाँच वर्षों तक प्रवृत्त रहेगी।
8. **अनुज्ञापन प्राधिकार का विवेकाधिकार-** कोई अनुज्ञप्ति किसी भी समय रद्द या प्रतिसंहत की जा सकेगी। किसी अनुज्ञप्ति की मंजूरी/नवीकरण/रद्द/प्रतिसंहत किया जाना अनुज्ञापन प्राधिकार के विवेकाधीन होगा।

परन्तु यह कि अनुज्ञापन प्राधिकार की जानेवाली प्रस्तावित कार्रवाई के विरुद्ध कारण (यदि कोई हो) बताने का अवसर संबंधित पक्षकार को देगा और अनुज्ञप्ति की मंजूरी या नवीकरण से इनकार करने अथवा अनुज्ञप्ति को रद्द किये जाने या प्रतिसंहत किये जाने का कारण अभिलिखित करेगा:-

परन्तु और भी कि किसी अनुज्ञप्ति के लिए आवेदक या कोई अनुज्ञप्तिधारी, जिसकी अनुज्ञप्ति का नवीकरण नामंजूर कर दिया गया हो या रद्द/प्रतिसंहत कर दिया गया है, यदि अनुज्ञापन प्राधिकार के किसी आदेश से व्यथित होता हो, तो राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अपीलीय प्राधिकार के समक्ष अपील दाखिल कर सकेगा।

9. **अनुज्ञप्ति की समाप्ति-** कोई अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाने या उसके कारोबार के अन्तरित हो जाने पर, अथवा यदि किसी फर्म या कम्पनी को मंजूर की गयी हो तो उसके परिसमापन या ऐसे फर्म या कम्पनी के कारोबार के अंतर्गत हो जाने पर, समाप्त हो जायेगी।

परन्तु यदि ऐसे अनुज्ञप्तिधारी फर्म या कम्पनी द्वारा चलाया जा रहा कारोबार चालू प्रतिष्ठान के रूप में अंतर्गत होता है और अनुज्ञप्तिधारी नयी अनुज्ञप्ति के लिए, अंतरण के चैदह दिनों के भीतर एक सौ रुपये मूल्य के न्यायालय फीस स्टाम्प के साथ, आवेदन करता है तो विद्यमान अनुज्ञप्ति तबतक लागू रहेगी जबतक अनुज्ञापन प्राधिकार द्वारा नई अनुज्ञप्ति मंजूर नहीं हो जाती या नई अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन को नामंजूर नहीं कर दिया जाता।

10. **अनुज्ञप्ति की समाप्ति, प्रतिसंहरण या रद्द किये जाने पर स्टॉक का निस्तारण** - नियम-8 के अधीन अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण या रद्द किये जाने की स्थिति में या नियम-9 के अधीन अनुज्ञप्ति की समाप्ति की स्थिति में अनुज्ञप्ति की ऐसी समाप्ति, प्रतिसंहरण या रद्द किये जाने की तिथि से तीन माह की अवधि के भीतर विष स्टॉक दूसरे किसी अनुज्ञप्तिधारी को बेचा जा सकेगा, जिसके पश्चात् बचे हुए विष अनुज्ञापन प्राधिकार के आदेशों के अधीन, नष्ट किये जा सकेंगे। नियम-9 में निर्दिष्ट मामले में विक्रय आगम, यदि कोई हो, यथास्थिति मृत अनुज्ञप्तिधारी के विधिक प्रतिनिधि या उसके अंतर्गती या परिसमापित फर्म या कम्पनी के परिसमापक या अंतर्गती फर्म या कम्पनी को दिया जायेगा।

11. **विष एवं रजिस्ट्रों के निरीक्षण की शक्ति-** कोई अनुमंडल पदाधिकारी अथवा कार्यपालक दंडाधिकारी अथवा कोई अवर निरीक्षक या उससे ऊपर की पंक्ति का पुलिस अधिकारी अथवा राज्य सरकार द्वारा नियुक्त कोई चिकित्सा अधिकारी अथवा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (केन्द्रीय अधिनियम 23, 1940) की धारा-21 के अधीन नियुक्त कोई निरीक्षक, किसी भी समय अनुज्ञप्तिधारी के परिसर, जहाँ विक्रय के लिए विष रखा गया हो, का और उसमें पाये गये सभी विषों एवं रजिस्ट्रों का निरीक्षण कर सकेगा।

12. **अनुज्ञप्ति किसे प्रदत्त की जायेगी-** (1) अनुज्ञप्ति किसी ऐसे ही व्यक्ति को प्रदत्त की जायेगी जो अनुज्ञापन प्राधिकार की राय में, विषों के व्यवसाय के संचालन में सक्षम हो।

(2) किसी फर्म या कम्पनी को निर्गत अनुज्ञप्ति, सदैव फर्म या कम्पनी के स्वत्वधारी या स्वत्वधारियों या ऐसे स्वत्वधारी या स्वत्वधारियों द्वारा इस प्रयोजनार्थ नामनिर्देशित किसी उत्तरदायी व्यक्ति या, किसी पब्लिक कम्पनी के मामले में, उसके प्रबंधक के नाम से होगी।

(3) इस तरह दिये गये नाम या नामों को, फर्म या कम्पनी के लिखित आवेदन पर, अनुज्ञापन प्राधिकार द्वारा परिवर्तित या संशोधित किया जा सकेगा और ऐसे आवेदन पर एक सौ रुपये मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगेगा।

13. **विष का विक्रय-** (1) विष की प्रत्येक बिक्री, यथासाध्य, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से अथवा, जहाँ कोई फर्म या कम्पनी अनुज्ञप्तिधारी हो वहाँ उस फर्म या कम्पनी के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा या उसके पर्यवेक्षण में, की जायेगी।

(2) विषों का भंडारण एवं विक्रय के लिए इस नियमावली के अधीन प्रवृत्त अनुज्ञप्तिधारक व्यक्ति, अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट परिसर में ही भंडारण एवं विक्रय करेगा।

14. **व्यक्ति, जिन्हें विष की बिक्री की जा सकेगी-** कोई अनुज्ञप्तिधारी किसी व्यक्ति को कोई विष तबतक नहीं बेचेगा, जबतक कि वह व्यक्तिगत रूप से उससे परिचित न हो अथवा अपना पता दर्शाने वाला कोई दस्तावेज, या पता सहित अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत कर उसे संतुष्ट न कर दे। किसी प्रकार के विष का विक्रय करने के पूर्व वह क्रेता का नाम, दूरभाष, पता एवं विष के क्रय के प्रयोजन की जानकारी लेना भी सुनिश्चित करेगा। वह किसी ऐसे व्यक्ति को विष नहीं बेचेगा, जिसके बारे में ऐसा लगे कि वह अठारह वर्ष से कम उम्र का है अथवा उसकी मनःशक्ति ठीक नहीं है।

15. **विष विक्रय-रजिस्टर-** (1) प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी एक रजिस्टर संधारित करेगा जिसमें वह रसायनज्ञ, औषधि विक्रेता या मिश्रक द्वारा किसी अर्हित चिकित्सा या पशु-चिकित्सा व्यवसायी के चिकित्सीय पर्चों के अनुपालन में नुस्खा बनाने या मिश्रण बनाने हेतु उपयोग में आनेवाले से भिन्न, विष के सभी विक्रय की सही-सही प्रविष्टि करेगा। ऐसे विक्रय के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे रजिस्टर में प्रविष्टि किये जायेंगे:-

- (क) क्रम संख्या,
- (ख) विष का नाम,
- (ग) विक्रय की मात्रा,
- (घ) विक्रय की तारीख,
- (ङ.) क्रेता का नाम एवं पता, प्रस्तुत किये गये फोटो पहचान-पत्र का क्रमांक और निर्गत करने वाले प्राधिकार का नाम,
- (च) क्रेता द्वारा घोषित प्रयोजन, जिसके लिए विष के क्रय की आवश्यकता है,
- (छ) क्रेता का हस्ताक्षर (या अंगूठे का निशान यदि निरक्षर हो) या डाक द्वारा क्रय के मामले में पत्र लिखे जाने की तारीख एवं उस फाइल का संदर्भ जिसमें पत्र की मूल प्रति रखी गयी है,
- (ज) क्रेता की पहचान करने वाले किसी व्यक्ति, यदि कोई हो, का हस्ताक्षर (या अंगूठे का निशान, यदि निरक्षर हो), और
- (झ) डीलर का हस्ताक्षर।

(2) रजिस्टर के किसी अलग प्रभाग में वह प्रत्येक विष के लिए अलग स्तम्भों में प्रत्येक विष की दैनिक बिक्री की प्रविष्टि करेगा और ऐसी प्रविष्टियाँ दिन-प्रतिदिन भरी जायेगी।

(3) रजिस्टर में नियम 15 के उपनियम (1) के मद संख्या-झ के अधीन विहित हस्ताक्षर अनुज्ञप्तिधारी के स्वयं का, अथवा जब अनुज्ञप्तिधारी कोई फर्म या कम्पनी हो तो

ऐसे फर्म या कम्पनी के अधिकृत प्रतिनिधि का, होगा और क्रेता को विक्रय या प्रेषण का समय लिखा जायेगा। ऐसा हस्ताक्षर इस बात का प्रमाण माना जायेगा कि हस्ताक्षरी द्वारा नियम 14 की अपेक्षाओं को पूर्ण कर लिये जाने के संबंध में स्वयं को संतुष्ट कर लिया गया है।

(4) अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपर्युक्त रजिस्टर के मद संख्या (छ) में संदर्भित सभी प्रतों या लिखित आदेशों को मूल रूप में, विक्रय की तारीख से दो वर्षों से अन्यून अवधि तक के लिए, परिरक्षित किया जायेगा।

(5) स्टॉक दैनिक अतिशेष रजिस्टर में दर्ज किया जायेगा।

16. **विक्रय के लिए रखे गये विषों की अभिरक्षा और पात्रों पर जिसमें वे रखे गये हैं, लेबल लगाना,**
 किसी भी अनुज्ञप्तिधारी द्वारा, इस नियमावली के अधीन, विक्रय के लिए रखे गये सभी विषों को किसी बक्सा, अलमारी, कमरा या भवन (संधारित मात्रा के अनुसार) में सुरक्षित रखा जायेगा, जिसे ताला एवं चाभी द्वारा सुरक्षित किया जायेगा और जिसमें, इस नियमावली के अधीन प्रदत्त अनुज्ञप्ति के अनुसार कब्जे में रखे गये विषों के अलावा, कोई पदार्थ नहीं रखा जायेगा, और प्रत्येक विष ऐसे बक्सा, अलमारी, कमरा या भवन में शीशा, धातु या मिट्टी के बने पात्रों में अलग-अलग बंद कर सुरक्षित रखा जायेगा। प्रत्येक ऐसा बक्सा, अलमारी, कमरा या भवन तथा प्रत्येक ऐसा पात्र अंगरेजी एवं स्थानीय भाषा दोनों में लाल अक्षरों में "POISON" / "विष" और पृथक विषवाले पात्रों के मामले में उस विष के नाम से चिह्नित किया जायेगा।
17. **बचे गये विषों का सुरक्षित रूप से पैक किया एवं लेबल लगा हुआ होना:** जब कोई विष बेचना हो, वह किसी बन्द पात्र या निधान (मात्रा के अनुसार) में सुरक्षित रूप से पैक किया जायेगा और प्रत्येक ऐसा पात्र या पैकेट, अंगरेजी एवं स्थानीय भाषा दोनों में, विष का नाम एवं अनुज्ञप्तिधारी का नाम एवं पता दर्शाने वाले लाल लेबल से, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा लेबल लगाया हुआ होगा। पात्र पर निम्नलिखित सर्वव्यापी चेतावनी प्रतीक भी प्रदर्शित किया जायेगा।



18. **उपयोगकर्ता (व्यक्तियों को छोड़कर) द्वारा एसिड/संक्षारक पदार्थ की सुरक्षा, भंडारण एवं घटना-प्रबंधन:** एसिडों/संक्षारक पदार्थों की सुरक्षा, भंडारण एवं घटना-प्रबंधन के लिए अपनाये गये उपायों की रूप रेखा दर्शाते हुए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जायेगी और उपयोगकर्ता के परिसरों में प्रमुखता से प्रदर्शित की जायेगी।

(क) एसिड/संक्षारक पदार्थों की सुरक्षा -

- i. परिसर में एसिड भंडारण के सुरक्षित रख-रखाव के लिए किसी व्यक्ति को जवाबदेह बनाया जायेगा।

- ii. एसिड/संक्षारक पदार्थ का भंडारण इस व्यक्ति के पर्यवेक्षण के अधीन होगा।
 - iii. अधिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एसिड/संक्षारक पदार्थ का भंडारण दोहरा ताला पद्धति के अधीन किया जायेगा।
 - iv. एसिड के प्रयोग का एक रजिस्टर संधारित किया जायेगा और उसे प्रत्येक तीन माह पर संबंधित अनुमंडलीय दंडाधिकारी के समक्ष दाखिल किया जायेगा।
 - v. प्रयोगशाला/भंडारण स्थल, जहाँ एसिड/संक्षारक पदार्थ का उपयोग/भंडारण होता है, को छोड़नेवाले छात्रों/कर्मियों की अनिवार्य जाँच होगी।
- (ख) एसिडों/संक्षारक पदार्थों का भंडारण -
- i. रसायनों को प्लास्टिक या अन्य उपयुक्त कंटेनरों में भंडारित किया जाना चाहिए।
 - ii. सभी भंडारण पात्रों पर रसायनों एवं अंतर्ग्रस्त परिसंकटों तथा बरती जानेवाली पूर्ववधानियों की पहचान को इंगित करने वाला लेबल लगा हुआ होना चाहिए।
 - iii. बेमेल रसायनों का एक साथ भंडारण नहीं किया जाना चाहिए।
 - iv. संक्षारक रसायनों की तालिका न्यूनतम हद तक रखी जानी चाहिए।
 - v. संरक्षा दस्तानों, लबादों, सुरक्षा चशमों एवं चेहरा-कवचों को, जहाँ उपयुक्त हो वहाँ, पहनना चाहिए।
 - vi. एसिडों का तनुकरण सावधानी के साथ करना चाहिए-सदैव जल में एसिड डालना चाहिए, कभी भी जल को एसिड में नहीं डालना चाहिए।
- (ग) घटना-प्रबंधन -
- i. **त्वचा सम्पर्क** : संदूषित वस्त्रों, जूतों एवं चमड़ा के वस्तुओं (यथा घड़ी बैंड, बेल्ट) को तुरंत उतार लें। अधिक रसायन को शीघ्रतापूर्वक एवं आहिस्ता-आहिस्ता पोंछ दें या झाड़ दें। गुनगुने, आहिस्ता-आहिस्ता बहते पानी की धार से तुरंत कम से कम 30 मिनटों तक साफ करें। पानी की धार को बाधा नहीं पहुँचाएँ। यदि सुरक्षित रूप से किया जाना संभव हो तो अस्पताल तक परिवहन के दौरान पानी की धार डालना जारी रखें। किसी विष केन्द्र या डॉक्टर को तुरंत काल करें। उपचार तुरंत अपेक्षित होता है। किसी अस्पताल में ले जायें।
 - ii. **आँख सम्पर्क** : सीधा सम्पर्क होने से बचें। यदि आवश्यक हो तो रसायन संरक्षक दस्ताने पहनें। चेहरे से रसायन को तुरंत एवं आहिस्ता-आहिस्ता पोंछ लें या झाड़ लें। संदूषित आँखों को तुरंत गुनगुने, आहिस्ता बहते पानी की धार से आँखों को खुली रखते हुए कम-से-कम 30 मिनटों तक साफ करें। यदि कान्टैक्ट लेंस लगा हो, तो पानी की धार डालने में देरी अथवा लेंस को निकालने का प्रयास न करें। जितना शीघ्र उपलब्ध हो जाये निरपेक्ष लवणीय विलयन का उपयोग करें। पानी की धार को बाधा नहीं पहुँचाएँ। यदि आवश्यक हो तो अस्पताल ले जाने के दौरान पानी की धार डालना जारी रखें।
 - iii. **निगलना** : घटनाग्रस्त व्यक्ति के मुँह का पानी से कुल्ला करावें। यदि उल्टी स्वभाविक रूप से होती है तो घटनाग्रस्त व्यक्ति को चूषण के जोखिम को कम करने के लिए आगे की ओर झुकावें। घटनाग्रस्त व्यक्ति के मुँह को पुनः पानी से कुल्ला करावें। किसी

विष केन्द्र या डाक्टर को तुरंत काल करें। उपचार तुरंत अपेक्षित होता है। किसी अस्पताल में ले जायें।

- iv. **अंतःश्वसन** : बचाव प्रयत्नों में लगने के पूर्व आप अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सावधानियाँ बरतें (यथा- समुचित बचाव साज-सज्जा पहनें) घटनाग्रस्त व्यक्ति को ताजी हवा में ले जायें। श्वसन के लिए आरामदायक स्थिति में विश्राम करने दें। यदि श्वसन में कठिनाई हो तो प्रशिक्षित कर्मी द्वारा आपात आक्सीजन दिया जाना चाहिए। घटनाग्रस्त व्यक्ति को अनावश्यक रूप से चलने-फिरने नहीं दें। पल्मोनरी एडेमा के लक्षण में देरी हो सकती है। किसी विष-केन्द्र या डाक्टर को तुरंत काल करें। उपचार तुरंत आवश्यक होता है। किसी अस्पताल में ले जायें।

19. **शास्तियाँ-** कोई भी व्यक्ति, जो विष अधिनियम-1919 की धारा-2 के अधीन बना नियम भंग करता है, विष अधिनियम-1919 की धारा-6 के अधीन दंड का भागी होगा।

यदि एसिड का अघोषित स्टोक पाया जाता है तो संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा स्टोक को जब्त कर उपयुक्त रूप से ऐसे विक्रेता पर रु० 50,000/- (पचास हजार रुपये) का जुर्माना किया जाएगा। जुर्माने के रूप में प्राप्त राशि माँग संख्या-27 मुख्य शीर्ष-0070-अन्य प्रशासनिक सेवाएँ, उपमुख्य शीर्ष-01-न्याय प्रशासन, लघु शीर्ष-102-अर्थ दण्ड और समपहरण, उपशीर्ष-01-जुर्माने, दण्ड तथा जब्ती से कुल प्राप्ति में जमा की जाएगी।

20. i. विष अधिनियम-1919 के तहत मुकदमा आधिकारिक/निजी शिकायत/एफ.आई.आर. के रूप में दर्ज होगा।
ii. मुकदमें का संज्ञान एवं उक्त अधिनियम में दर्जवादों की सुनवाई व्यवहार न्यायालय के अधिकारिता प्राप्त न्यायिक दण्डाधिकारी द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।

21. **व्याख्या एवं संशोधन-** इस नियमावली के नियमों की व्याख्या एवं यथा आवश्यक संशोधन का अधिकार राज्य सरकार का होगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

सुखदेव सिंह
अपर मुख्य सचिव।

अनुसूची
(नियम 2 एवं 3 द्रष्टव्य)
विषों की सूची

1. एसेटिक एसिड (भार के अनुसार 25 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
2. एसेटिक एनहाईड्राइड।
3. सल्फ्यूरिक एसिड (H_2SO_4) (भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
4. हाइड्रोक्लोरिक एसिड (HCL) (भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
5. फासफोरिक एसिड (H_3PO_4)।
6. हाइड्रोफ्लुओरिक एसिड (HF)।
7. परक्लोरिक एसिड ($HClO_4$)।
8. फार्मिक एसिड (भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
9. हाइड्रोसायनिक एसिड, हाइड्रोसायनिक एसिड के भार में 0.1 प्रतिशत से कम भारयुक्त पदार्थों को छोड़कर।
10. हाइड्रोक्लोरिक एसिड, हाइड्रोक्लोरिक एसिड के भार में 5 प्रतिशत से कम भारयुक्त पदार्थों को छोड़कर।
11. नाइट्रिक एसिड, नाइट्रिक एसिड के भार में 5 प्रतिशत से कम भारयुक्त पदार्थों को छोड़कर।
12. आक्जेलिक एसिड।
13. पारा का परक्लोराइड (संक्षारक सब्लिमेट)।
14. पोटैशियम हाइड्रोक्लोराइड, पोटैशियम हाइड्रोक्साइड के भार में 2 प्रतिशत से कम भारयुक्त पदार्थों को छोड़कर।
15. सोडियम हाइड्रोक्साइड, सोडियम हाइड्रोक्साइड के भार में 2 प्रतिशत से कम भारयुक्त पदार्थों को छोड़कर।
16. हाइड्रोजन पेरोक्साइड (भार के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
17. फार्मल्लिहाइड (भार के अनुसार 25 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
18. फेनोल (भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।
19. सोडियम हाइपोक्लोराइट सोल्यूशन (भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक सान्द्रण)।

फारम 'क'
(नियम 4 द्रष्टव्य)
विष-भंडारण एवं विक्रय हेतु अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्तिधारी/प्राधिकृत
प्रतिनिधि का फोटो

रजिस्टर नं०-

अनुज्ञप्तिधारी का नाम-

दुकान का स्थान-

श्री पुत्र,
श्री के
कारोबार में लगे हुए (स्थानीय निकाय का नाम)
में थाना के अधीन
जिला, को एतद्वारा निम्नलिखित विषों के खुदरा विक्रय के लिए भंडारण करने तथा खुदरा विक्रय हेतु
अनुज्ञप्ति दी जाती है, यथा:-

1.
2.
3.
4.
5.

यह अनुज्ञप्ति पारपृष्ठ पर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन है, जिनमें से किसी का उल्लंघन किये जाने पर अनुज्ञप्ति समपहत हो जायेगी और विष अधिनियम, 1919 की धारा-6 द्वारा उपबंधित शास्तियों का उत्तरदायी होना होगा।

यह अनुज्ञप्ति, मंजूरी की तारीख से पाँच वर्षों की अवधि तक के लिए प्रवृत्त रहेगी, जबतक कि संबंधित अनुज्ञापन प्राधिकार द्वारा अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु के कारण पूर्व-समाप्त अथवा रद्द न कर दिया जाय।

अनुज्ञापन प्राधिकार का हस्ताक्षर एवं मुहर

शर्तें

1. नियम-5 (1) एवं 8 के उपबंधों के अधीन, किसी भी तारीख को मंजूर या नवीकृत की गयी कोई अनुज्ञप्ति पाँच वर्षों की अवधि तक के लिए प्रवृत्त रहेगी। किसी अनुज्ञप्ति की मंजूरी या नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदक अनुज्ञापन प्राधिकार को लिखित आवेदन देगा और ऐसे आवेदन में एक सौ रुपये मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगा होगा।
2. कोई अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाने पर अथवा यदि किसी फर्म या कम्पनी को मंजूर की गयी है तो ऐसे फर्म या कम्पनी के परिसमापन या कारोबार का अंतरण हो जाने पर, समाप्त हो जायेगी।
3. अनुज्ञापन प्राधिकार किसी अनुज्ञप्ति को पर्याप्त कारणों से प्रतिसंहत या रद्द कर सकेगा।
4. विष का प्रत्येक विक्रय, यथासाध्य, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से अथवा जहाँ अनुज्ञप्तिधारी कोई फर्म या कम्पनी है वहाँ ऐसे फर्म या कम्पनी के अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से या उसके पर्यवेक्षण के अधीन किया जायेगा।
5. कोई अनुज्ञप्तिधारी किसी व्यक्ति को तबतक विष नहीं बेचेगा जबतक कि वह उससे परिचित न हो या फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत कर उसकी संतुष्टि की हद तक उसकी पहचान नहीं हो पाती हो। वह किसी व्यक्ति को, जो उसे 18 वर्ष की आयु से कम का -प्रतीत हो या किसी व्यक्ति को, जिसका अपनी मनः स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण नहीं हो, कोई विष नहीं बेचेगा।
6. I. प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी एक रजिस्टर संधारित करेगा जिसमें वह, किसी चिकित्सा या पशु चिकित्सा व्यवसायी के चिकित्सीय पुर्जा के अनुपालन में नुस्खा बनाने या मिश्रण बनाने के लिए किसी रसायनज्ञ एवं औषधि विक्रेता द्वारा उपयोग किये गये से भिन्न, विषों की अन्य सभी बिक्रियों की प्रविष्टि करेगा। ऐसे रजिस्टर में, प्रत्येक बिक्री के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे प्रविष्टि किये जायेंगे, यथा:
 - (क) क्रम संख्या,
 - (ख) बिक्री की तारीख,
 - (ग) क्रेता का नाम, टेलीफोन नंबर एवं पता
 - (घ) विष का नाम,
 - (ङ.) बिक्री की मात्रा,
 - (च) प्रयोजन, जिसके लिए क्रेता द्वारा विष की आवश्यकता बतायी गयी है,
 - (छ) क्रेता का हस्ताक्षर (या अंगूठे का निशान यदि निरक्षर हो) या डाक द्वारा क्रय के मामले में पत्र या लिखित आदेश की तारीख और जिस फाइल में इसकी मूल प्रति रखी गयी है उसका संदर्भ।
 - (ज) डीलर का हस्ताक्षर।
- II. रजिस्टर के एक अलग प्रभाग में प्रत्येक विष के लिए अलग-अलग स्तम्भों में, प्रत्येक ऐसे विष की दैनिक बिक्री की मात्रा की प्रविष्टि की जायेगी और ये प्रविष्टियाँ दिन-प्रतिदिन दाखिल की जायेगी।
- III. रजिस्टर के (ज) स्तम्भ के अधीन हस्ताक्षर अनुज्ञप्तिधारी के स्वयं का अथवा जब अनुज्ञप्तिधारी कोई फर्म या कम्पनी है तो ऐसी फर्म या कम्पनी के अधिकृत प्रतिनिधि का होगा और बिक्री या प्रेषण के समय किया जायेगा। ऐसा हस्ताक्षर इस बात का प्रमाण माना जायेगा कि हस्ताक्षरकर्ता द्वारा स्वयं को संतुष्ट कर लिया गया है कि नियम-15 की अपेक्षाएँ पूरी कर ली गयी हैं।

- IV. रजिस्टर के स्तम्भ (छ) में संदर्भित पत्रों या लिखित आदेशों को अनुज्ञप्तिधारी द्वारा मूल रूप में, बिक्री की तारीख से दो वर्षों से अन्यून अवधि तक के लिए, परिरक्षित रखा जायेगा।
7. (1) कोई अनुज्ञप्तिधारी प्रत्येक विष के संबंध में एक स्टॉक रजिस्टर संधारित करेगा, जिसमें निम्नलिखित ब्यौरे रहेंगे:
- (क) क्रम संख्या,
 - (ख) तारीख,
 - (ग) प्राप्त मात्रा,
 - (घ) व्यक्ति का नाम एवं पता, जिससे परिमाण प्राप्त हुआ है,
 - (ङ.) विक्रय मात्रा,
 - (च) स्टॉक में अधिशेष,
 - (छ) अभ्युक्ति,
- (2) स्टॉक रजिस्टर दिन-प्रतिदिन संतुलित (बैलेन्स) किया जायेगा।
8. कोई दंडाधिकारी या औषधि नियंत्रण विभाग का औषधि निरीक्षक स्तर या उससे ऊपर की पंक्ति का कोई अधिकारी या अवर निरीक्षक की पंक्ति या उससे ऊपर की पंक्ति का पुलिस अधिकारी या सहायक चिकित्सा अधिकारी की पंक्ति या उससे ऊपर की पंक्ति का चिकित्सा अधिकारी किसी भी समय जाकर वहाँ पाये गये सभी विषों और नियम 15 एवं 16 के अधीन संधारित रजिस्टर का निरीक्षण कर सकेगा।
9. इस नियमावली के अधीन किसी अनुज्ञप्तिधारी द्वारा विक्रय के लिए रखे गये सभी विषों (किसी चिकित्सा या पशुचिकित्सा व्यवसायी के चिकित्सीय पुर्जों के अनुपालन में नुस्खा बनाने या मिश्रण बनाने के प्रयोजनार्थ किसी रसायनज्ञ या औषधि विक्रेता द्वारा रखे गये को छोड़कर) को एक बक्सा, आलमीरा, कमरा या भवन (संधारित मात्रा के अनुसार) में रखा जायेगा जिसे ताला एवं चाभी द्वारा सुरक्षित किया जायेगा और जिसमें अधिनियम के अधीन मंजूर अनुज्ञप्ति के अनुसार धारित विषों के अतिरिक्त अन्य कोई पदार्थ नहीं रखा जायेगा तथा प्रत्येक विष ऐसे बक्सा, आलमीरा, कमरा या भवन में अलग-अलग शीशा, प्लास्टिक, धातु या मिट्टी के बने बंद पात्रों में रखा जायेगा। प्रत्येक ऐसे बक्सा, आलमीरा, कमरा या भवन और प्रत्येक ऐसे पात्र पर अँगरेजी एवं स्थानीय भाषा में लाल स्याही में 'Poison' / 'विष' और अलग-अलग विषों वाले पात्रों के मामले में ऐसे विष का नाम चिह्नित किया जायेगा।
10. जब कोई विष बेचा जाये तो वह बन्द पात्र या पैकेट (मात्रा के अनुसार) में सुरक्षित रूप से पैक किया जायेगा और ऐसे किसी पात्र या पैकेट पर अँगरेजी एवं स्थानीय भाषा दोनों में विष का नाम और नियम-18 में विनिर्दिष्ट रजिस्टर में प्रविष्टि की संख्या एवं तारीख वाला लेबल विक्रेता द्वारा लगाया जायेगा।
11. अनुज्ञप्ति ऊपर अंकित शर्तों और अधिनियम एवं अधिनियम के अधीन बनी नियमावली के प्रावधानों के अध्याधीन धारित की जायेगी।
12. अनुज्ञप्तिधारी, यदि दवा में उपयोग हेतु कोई विष बेचना या धारित करना चाहता है तो उसे सर्वप्रथम औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 18(सी) में यथा अपेक्षित आवश्यक अनुज्ञप्ति लेनी होगी।
- नोट:- दवा में उपयोग हेतु किसी 'विष' से अभिप्रेत है औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा-3 में परिभाषित औषधि।

फारम 'ख'

(नियम 6 द्रष्टव्य)

विष भंडारण एवं विक्रय हेतु अनुज्ञप्ति की मंजूरी/नवीकरण हेतु आवेदन

1. आवेदक/फर्म का नाम :
2. आवेदक की आयु :
3. कार्यालय एवं आवासीय पता :
4. अनुज्ञप्ति संख्या एवं अनुज्ञप्ति की प्रति
(नवीकरण आवेदनों के लिए लागू):
5. प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम निर्देशन सहित
आवेदक फर्म का गठन संबंधी दस्तावेज :
6. कारोबार स्थल या दुकान या भंडारण स्थल
का पूरा पता जिसके लिए अनुज्ञप्ति आवेदित
की गयी है, फ्लैट का नंबर एवं मकान संख्या
सहित भवन का नाम तथा गली या रोड जहाँ
यह अवस्थित है:
7. परिसरों के रेखांक (प्लान) की प्रति :
8. परिसरों के भंडारण का अधिकार संबंधी दस्तावेज :
9. विक्रय के लिए प्रस्तावित विष का नाम :

(आवेदक स्वअभिप्रमाणित फोटोग्राफ की तीन प्रतियाँ आवेदन के साथ संलग्न करेगा)
